गुजरात विधान सभा के अध्यक्ष राजेन्द्र भाई त्रिवेदी के नेतृत्व में आए 12 विधायकों ने बुधवार को यूपी विधानसभा के अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित और संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना से विधानभवन स्थित कार्यालय में मुलाकात की।

गुजरात के विधायकों को विधायी नियम बताए

राज्य मुख्यालय | विशेष संवाददाता

दीक्षित से की मुलाकात

- यूपी भ्रमण पर आया गुजरात के विधायकों का शिष्टमंडल
- विधानसभा के अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित से की मुलाकात

गुजरात विधान सभा के अध्यक्ष राजेन्द्र भाई त्रिवेदी के नेतृत्व में आए 12 विधायकों ने बुधवार को यूपी विधानसभा के अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित से विधानभवन स्थित कार्यालय में मुलाकात की। दोनों विधानसभा अध्यक्षों के बीच विधानसभा की कार्यपद्धति, संसदीय कार्यप्रणाली व लोकतांत्रिक विषयों पर चर्चा हुई।

गुजरात विधानसभा का यह शिष्टमंडल यूपी के अध्ययन और भ्रमण पर आया हुआ है। मुलाकात के दौरान यूपी विधान सभा के अध्यक्ष ने विधान सभा की प्रक्रिया व कार्य संचालन के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। श्री दीक्षित ने नियम-301, 51, 56 एवं शून्यकाल के बारे में उन्हें बताया।

यूपी विधान सभा की उपलब्धियों के बारे में श्री दीक्षित ने कहा कि पहली बार यूपी विधान सभा की कार्यवाही की दूरदर्शन पर सजीव प्रसारण की व्यवस्था की गयी है। गुजरात विधान सभा के अध्यक्ष ने गुजरात विधान सभा की कार्यप्रणाली के बारे में चर्चा की। उन्होंने बताया कि गुजरात में अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव प्रत्येक सदन की बैठक के पूर्व आ जाता है। यह अच्छी परिपाटी नहीं है। गुजरात विधान सभा अध्यक्ष ने श्री दीक्षित को गुजरात विधानसभा आने का न्योता दिया।

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में दो सौ से ज्यादा प्रोजेक्ट

राज्य मुख्यालय। मुख्य सचिव डा. अनूप चन्द्र पाण्डेय ने इस वर्ष फरवरी में हुए इन्वेस्टर्स समिट में हस्ताक्षरित और द्वितीय ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में शामिल की जाने वाली दो सौ से अधिक परियोजनाओं की बुधवार को समीक्षा की। इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित विभाग इन परियोजनाओं से जुड़े निवेशकों के साथ सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं हल करें।

मुख्य सचिव ने लोक भवन स्थित अपने कार्यालय में इन परियोजनाओं की गहन समीक्षा की। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि उद्यान विभाग खाद्य प्रसंस्करण नीति में संशोधन के लिए प्रस्ताव शीघ्र कैबिनेट की मंजूरी के लिए पेश करे। वन विभाग के तहत निवेशकों के लंबित प्रस्तावों का भी तत्काल निपटारा किया जाए। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि निवेशकों के लिए जमीन अधिग्रहण, उपलब्धता एवं हस्तांतरण के जिला व राजस्व परिषद स्तर पर लम्बित मामलों के निपटारे में भी तेजी लाई जाए।

हृदय नारायण दीक्षित से गुजरात विस अध्यक्ष ने की मुलाकात

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप्र के विधान सभा के अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित से विधान भवन में गुजरात विधान सभा के अध्यक्ष राजेन्द्र भाई त्रिवेदी एवं 12 सदस्यों के साथ भेंट की। विधान सभा की कार्यपद्धति, संसदीय कार्य प्रणाली व लोकतांत्रिक विषयों पर चर्चा की। राजेन्द्र भाई त्रिवेदी गुजरात विधान सभा के 12 सदस्यों के साथ प्रदेश के अध्ययन भ्रमण पर आए हुए हैं।

इस दौरान दीक्षित ने विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्यसंचालन के बारे में चर्चा की। उन्होंने बताया कि सभी विधान सभाओं में कार्यसंचालन नियमावली के अन्तर्गत लगभग इन्हीं नियमों का किसी न किसी रूप में समावेश किया गया है। यहां पर एक नई समिति संसदीय अनुश्रवण समिति का गठन भी किया गया है। यह समिति नियम 301, 51 एवं अन्य सूचनाओं में संतोषजनक उत्तर न प्राप्त होने पर विधायकों को अपनी बात रखने का अवसर देती है। इस समिति में विधायकों के प्रोटोकाल उल्लंघन के मामलों को भी समावेश किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत की धरती पर सभा एवं समितियां बहुत पहले से ही विद्यमान हैं। ऋग्वेद, महाभारत, बौधकाल सभी जगह सभा और समितियों के माध्यम से शासन प्रणाली चलती रही है। हमारी संविधान सभा ने गहन विचार-विमर्श करके एक बेहतर प्रणाली हमें दी है। उसे संवारने और सुविकसित करने की आवश्यकता है। त्रिवेदी ने गुजरात विधान सभा की कार्यप्रणाली के बारे में चर्चा की। उन्होंने बताया कि गुजरात में अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव प्रत्येक सदन की बैठक के पूर्व आ जाता है। यह अच्छी परिपाटी नहीं है। उनके यहां सजीव प्रसारण भी नहीं होता है। उनके यहां पूर्व विधान सभा सदस्य की मृत्यु हो जाने पर उसका चित्र बनवाकर उनके परिवारीजन को भेंट किया जाता है। उन्होंने कहा कि वह गुजरात के सभी दलों के विधान सभा सदस्यों के साथ विभिन्न विधान सभाओं में विचार-विमर्श के लिए अध्ययन भ्रमण कार्यक्रम में आ रहे। उप्र विधान सभा के अध्यक्ष ने त्रिवेदी एवं अन्य विधान सभा सदस्यों को स्मृति चिन्ह व साहित्य भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेश के संसदीय कार्यमंत्री सुरेश कुमार खन्ना, विधान सभा के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे व गुजरात विधान सभा के संयुक्त सचिव एवं अन्य अधिकारीगण बैठक में उपस्थित थे।

29 दिन बाद भी नहीं लगा

…now, main roads. …not ply on the

from Sonbhadr… Jaunpur, Sitapur… cipate in the even…

Parl panel to ensure right & timely answers to queries in House: Dixit

Subhash.Mishra
@timesgroup.com

Lucknow: For the first time in the state Assembly, a parliamentary monitoring committee has been set up to ensure correct and timely answers to members of the House by the state executive.

This was revealed by Speaker Hriday Narayan Dixit, while addressing an interaction with an all-party delegation of MLAs from Gujarat.

The Gujarat delegation of MLAs, headed by Assembly Speaker Rajendrabhai Trivedi, is on an official tour of UP to experience the functioning of the country's largest state Assembly.

Dixit told the visiting legislators from Gujarat that the UP Assembly has 15 committees of the House. "It was felt that a special panel comprising members of ruling as well as Opposition parties be established to monitor replies from officers of the state government to MLAs," said Dixit.

Dixit said the new committee evaluates quality of answers and ensures they are up to the mark, provided on time and whether the member asking questions was satisfied or not with the reply. "If the reply is not satisfactory, the committee would call both the MLA and the officers for a face-to-face interaction to extract right reply," said Dixit.

Dixit also informed Gujarat Speaker that unlike their's,UP had three different sessions -- Budget, monsoon and winter. He said that the state was first in rapid digitalisation of the process and procedure of the functioning of the House and was first in e- questions to save paper work. A cyber cell and digital library have also been set up in the UP assembly, he said.

UP Assembly Speaker Hriday Narain Dixit with Gujarat Assembly Speaker Rajendrabhai Trivedi (R) in Lucknow

गुजरात के विस स्पीकर और विधायकों से मिले विस अध्यक्ष

■ **एनबीटी ब्यूरो, लखनऊ :** गुजरात विधानसभा अध्यक्ष राजेंद्र भाई त्रिवेदी और उनके साथ यूपी दौरे पर आए 12 सदस्यीय विधायक दल के साथ बुधवार को यूपी विधानसभा अध्यक्ष ने स्वागत किया और उनके साथ बैठक की। बैठक में विधान सभा की कार्यपद्धति, संसदीय कार्य प्रणाली और लोकतांत्रिक विषयों पर चर्चा की गई।

बैठक में अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने उन्हें उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया और कार्य संचालन की विस्तार से जानकारी दी। बताया कि पहली बार यूपी विधान सभा की कार्यवाही का दूरदर्शन के जरिए लाइव प्रसारण कराया जा रहा है। अध्यक्ष ने उन्हें और उनके साथ आए सदस्यों को स्मृति चिह्न और साहित्य भेंट कर स्वागत किया। हृदय नारायण दीक्षित ने गुजरात विधान सभा अध्यक्ष और विधान सभा सदस्यों को अपनी पुस्तकें (सोचने की भारतीय दृष्टि, मधु अभिलाषा, गीता रिजवेटेड एवं विधान सभा से प्रकाशित की जाने वाली पत्रिका संसदीय दीपिका) भेंट की। इस दौरान संसदीय कार्यमंत्री सुरेश कुमार खन्ना, प्रमुख सचिव विस प्रदीप दुबे मौजूद थे।

जनपद गोरखपुर भी सम्मिलित है।

गुजरात विधान सभा के शिष्ट मण्डल ने की विधान सभा अध्यक्ष से भेंट

वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित से विधान भवन में गुजरात विधान सभा के अध्यक्ष, राजेन्द्र भाई त्रिवेदी एवं 12 माननीय सदस्यों के साथ भेंट की। विधान सभा की कार्यपद्धति, संसदीय कार्य प्रणाली व लोकतांत्रिक विषयों पर चर्चा की। राजेन्द्र भाई त्रिवेदी गुजरात विधान सभा के 12 सदस्यों के साथ उत्तर प्रदेश के अध्ययन भ्रमण पर आए हुए हैं। इस भेंट के दौरान उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष ने विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्यसंचालन के बारे में विस्तार से चर्चा की। श्री अध्यक्ष ने नियम-301, 51, 56 एवं शून्यकाल के बारे में विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि सभी विधान सभाओं में कार्यसंचालन नियमावली के अन्तर्गत लगभग इन्हीं नियमों का किसी न किसी रूप में समावेश किया गया है। उत्तर प्रदेश विधान सभा की उपलब्धियों के बारे में कहा कि पहली बार उत्तर प्रदेश विधान सभा को 11 बजे से लेकर 3 बजे तक सजीव दूरदर्शन प्रसारण की व्यवस्था की गयी। यहां पर एक नई समिति संसदीय अनुश्रवण समिति का गठन भी किया गया है। यह समिति नियम 301, 51 एवं अन्य सूचनाओं में संतोषजनक उत्तर न प्राप्त होने पर विधायकों को अपनी बात रखने का अवसर देती है। इस समिति में माननीय विधायकों के प्रोटोकाल उल्लंघन के मामलों को भी समावेश किया गयां है। इस अवसर पर प्रदेश के संसदीय कार्यमंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना भी मौजूद थे। उन्होंने गुजरात विधान सभा के अध्यक्ष एवं सदस्यों का स्वागत किया और विधान सभा में विभिन्न नियमों और परिपाटी के बारे में चर्चा की। उत्तर प्रदेश विधान सभा के प्रमुख सचिव श्री प्रदीप कुमार दुबे व गुजरात विधान सभा के संयुक्त सचिव एवं अन्य अधिकारीगण बैठक में उपस्थित थे।

आए गुजरात विधानसभा के सदस्य

लखनऊ। गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष राजेंद्र भाई त्रिवेदी ने बुधवार को यहां प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष हृदयनारायण दीक्षित से भेंट की। त्रिवेदी के साथ गुजरात विधानसभा के 12 सदस्य और वहां के अधिकारी भी उत्तर प्रदेश की संसदीय परिपाटी समझने यूपी आए हैं। गुजरात विस अध्यक्ष त्रिवेदी ने विधायकों के साथ विधान परिषद सभापति रमेश यादव से भी भेंट की।

प्रदेश विस के अध्यक्ष दीक्षित ने गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष से नियम 301, 51, 56 एवं शून्यकाल पर चर्चा की। देश के सभी विधानसभाओं के कार्यसंचालन नियमावली में इन्हीं नियमों का समावेश है। दीक्षित ने बताया कि सवेरे 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक यूपी विस की कार्यवाही की लाइव प्रसारण की व्यवस्था की गई है। एक नई समिति संसदीय अनुश्रवण समिति का गठन भी किया गया है। यह समिति नियम 301, 51 एवं अन्य सूचनाओं पर संतोषजनक उत्तर न आने पर विधायकों को अपनी बात रखने का अवसर दिया है। ब्यूरो

गुजरात विस अध्यक्ष राजेंद्र भाई त्रिवेदी ने यूपी विस के अध्यक्ष हृदयनारायण दीक्षित व परिषद के सभापति रमेश यादव से मुलाकात की।

गुजरात में नहीं होता विस कार्यवाही का लाइव प्रसारण

गुजरात विस के अध्यक्ष ने बताया कि उनके यहां अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव सदन की बैठक के पूर्व ही आ जाता है। यह अच्छी परिपाटी नहीं है। उनके यहां लाइव प्रसारण भी नहीं होता है। त्रिवेदी ने दीक्षित को गुजरात विस के विधायकों को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया। दीक्षित ने इसे स्वीकार कर लिया। दीक्षित ने राजेंद्र भाई त्रिवेदी व गुजरात के विधायकों को स्मृति चिह्न व साहित्य भेंट करने के साथ अपनी पुस्तकें सोचने की भारतीय दृष्टि, मधु अभिलाषा, गीता रिजवेटेड एवं विधानसभा से प्रकाशित की जाने वाली पत्रिका संसदीय दीपिका भेंट की। इस अवसर पर संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना भी मौजूद थे।

गुजरात विस अध्यक्ष ने यूपी विस अध्यक्ष व विप सभापति से भेंट की

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। गुजरात विधान सभा के अध्यक्ष राजेन्द्र त्रिवेदी के नेतृत्व में विधान सभा के 12 सदस्यों का एक प्रतिनिधि मंडल यूपी में अध्ययन भ्रमण पर आया हुआ है। गुजरात विधान सभा अध्यक्ष के नेतृत्व में आये प्रतिनिधि मंडल ने यूपी विधान सभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित और विधान परिषद के सभापति रमेश यादव से भेंट की। गुजरात विधान सभा अध्यक्ष ने बताया कि उनके यहां हर विधान सभा सत्र में अध्यक्ष के ही विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव आ जाता है।

यूपी में अध्ययन भ्रमण पर आया है गुजरात का प्रतिनिधिमंडल

यूपी विस की कार्यपद्धति व लोकतांत्रिक विषयों पर ली जानकारी

गुजरात से आये विधान सभा अध्यक्ष श्री त्रिवेदी के अलावा विधान सभा के सदस्यों ने यूपी विधान सभा की कार्यपद्धति, संसदीय कार्य प्रणाली व लोकतांत्रिक विषयों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान यूपी विधान सभा के अध्यक्ष ने विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्यसंचालन के बारे में बताया। इस अवसर पर श्री त्रिवेदी ने बताया कि गुजरात में अध्यक्ष के विरूद्ध ही अविश्वास प्रस्ताव प्रत्येक सदन की बैठक के पूर्व आ जाता है। यह अच्छी परिपाटी नहीं है। उनके यहां सजीव प्रसारण भी नहीं होता है। यही नहीं गुजरात में किसी पूर्व विधान सभा सदस्य की मौत हो जाने पर उसका टिकाऊ चित्र बनवाकर उनके परिवारी जन को भेंट किया जाता है। उन्होंने कहा कि वह गुजरात के सभी दलों के विधान सभा सदस्यों के साथ विभिन्न विधान सभाओं में विचार-विमर्श हेतु अध्ययन भ्रमण कार्यक्रम में जा रहे। विचार विमर्श के दौरान यूपी विधान सभा अध्यक्ष श्री दीक्षित ने गुजरात विधान सभा अध्यक्ष राजेन्द्र भाई त्रिवेदी एवं उनके साथ आयीं गुजरात विधान सभा की सदस्य श्रीमती सीमाबेन ए. मोहिले, महेश कुमार के.रावल, लखाभाई जे.सगाथिया, गजेन्द्र सिंह यू. परमार, हितेन्द्र एन.कनौडिया, जशपाल सिंह एम.ठाकुर, भीखाभाई जी जोशी, बाबू भाई के.वाजा, प्रद्युम्न सिंह एम.जडेजा, नइमेश एन.देव (निजी सचिव), अमृत लाल बी. करोवा (उप सचिव), चेतन बी. पाण्डया (उप सचिव), और वृजेश सिंह बी. नरवे (अनुवादक) को स्मृति चिन्ह व साहित्य भेंट कर स्वागत किया। श्री दीक्षित से भेंट के दौरान संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना तथा परिषद सभापति रमेश यादव से भेंट के दौरान उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा, मंत्री श्रीमती रीता बहुगुणा जोशी, बृजेश पाठक, स्वामी प्रसाद मौर्य, प्रमुख सचिव विधान सभा प्रदीप दुबे और प्रमुख सचिव विधान परिषद डा.राजेश सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। उन्होंने गुजरात विधान सभा के अध्यक्ष एवं विधान सभा सदस्यों को अपनी लिखित पुस्तक सोचने की भारतीय दृष्टि, मधु अभिलाषा, गीता रिजवेटेड एवं विधान सभा से प्रकाशित की जाने वाली पत्रिका संसदीय दीपिका भेंट की।

વિધાનસભા અધ્યક્ષની આગેવાની હેઠળના

ગુજરાતના પ્રતિનિધિ મંડળે ઉત્તરપ્રદેશના નાયબ મુખ્યમંત્રીઓની મુલાકાત લીધી

વડોદરા, ૨૬

રાજય વિધાનસભા અધ્યક્ષ રાજેન્દ્ર ત્રિવેદીની આગેવાની હેઠળ રાજયના ૧૦ ધારાસભ્યઓનું પ્રતિનિધિ મંડળ હાલમાં ઉત્તરપ્રદેશના અભ્યાસ પ્રવાસે છે. તેના ભાગરૂપે આજે વિધાનસભા અધ્યક્ષ અને ધારાસભ્યઓએ આજે ઉત્તરપ્રદેશના નાયબ મુખ્યમંત્રી કેશવપ્રસાદ મૌર્ય અને દિનેશ શર્માની મુલાકાત લીધી હતી તથા રાજ્ય વિધાનસભાની વૈધાનિક પરંપરાઓનો વિચાર વિમર્શ કર્યો હતો. ઉલ્લેખનીય છે કે આ પ્રતિનિધિ મંડળમાં અકોટના ધારાસભ્ય સીમા મોહિલે અને પાદરાના ધારાસભ્ય જશપાલસિંહ પઢીયારનો સમાવેશ થયો છે.આ અગાઉ રાજેન્દ્ર ત્રિવેદી અને પ્રતિનિધિ મંડળના સદસ્ય ધારાસભ્યઓએ ઉત્તરપ્રદેશના પરંપરાઓની જાણકારી આપી હતી. યોગીજીએ પ્રતિનિધિ મંડળને ઉત્તરપ્રદેશના વિકાસ માટેની વ્યુહરચનાની પણ વિગતવાર જાણકારી આપી હતી. તેમણે ગુજરાત વિધાનસભાના અધ્યક્ષનું શાલ્યાર્પણ ધ્વારા ભાવસભર સન્માન કર્યુ હતું. વિધાનસભા અધ્યક્ષએ જણાવ્યું કે કાર્ય પ્રણાલીઓમાં સતત સુધારો કરી શકાય અને વિધાનસભાના સંચાલનને વધુ સરળ, બહેતર અને પરિણામદાયક બનાવી શકાય તેવી ઉત્તમ પરંપરાઓના અભ્યાસ માટે આ પ્રકારના અભ્યાસ પ્રવાસો યોજવામાં આવે છે. તેનો વૈચારિક વિમર્શ પરસ્પર લાભપ્રદ નીવડે છે. પ્રતિનિધિ મંડળે પવિત્ર યાત્રાધામ અને રામલલાની ભૂમિ અયોધ્યાની મુલાકાત લીધી હતી.

[redacted]